**NEWS CLIPPING:13.07.2022**

# THE TRIBUNE

## WORKSHOP HELD ON FILM-MAKING

**Faridabad:** The Department of Communication and Media Technology, (CMT) JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has organised a two-day workshop on cinematography and film-making. The workshop is being conducted by cinematography expert Navin Chand, who was part of a film that was conferred Dadasaheb Phalke Award in 2017. The speaker spoke about basic parts of the camera, the production aspect and its stages, shots, scripting, screenplays, storyboard and much more. He elaborated on various aspects that go into film production.

**NEWS CLIPPING:13.07.2022**

# PIONEER

# रेडियो कॉमेंट्री विषय पर कार्यशाला आयोजित

## कार्यशाला में पत्रकारिता के साथ-साथ एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया के छात्रों ने भी हिस्सा लिया

## वही भाषा सरल है जो श्रोताओं को जोड़ सके

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

**जेसी बोस विश्व विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्रा को रेडियो कामेंट्री के बारे में जानकारी देते संपूर्ण सिंह बागड़ी।**

**जेसी** बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा रेडियो कॉमेंट्री विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ऑल इंडिया रेडियो रोहतक के उद्घोषक श्री संपूर्ण सिंह बागड़ी मुख्य वक्ता रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि रेडियो का क्षेत्र बहुत विस्तृत है। शब्दों को सुनने से ही दिमाग में छवियां बनती हैं और वो याद रह जाती हैं। इसलिए रेडियो पर बोले गए शब्द सुनने पर अपने सामने दृश्य समान प्रतीत होते हैं। रेडियो कल्पनाशीलता को बढ़ाता है। इस कार्यशाला में पत्रकारिता के साथ-साथ एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया के छात्रों ने भी हिस्सा लिया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक कहा कि रेडियो व्यवहार और बातचीत का सलीका सिखाता है। रेडियो की सबसे अधिक विशेषता श्रोताओं से सरल भाषा में जुड़ना होती है। उन्होंने कहा कि वही भाषा सरल है जो श्रोताओं को जोड़ सके। विभाग के डीन प्रो. अतुल मिश्रा ने भी विभाग द्वारा किए जा रहे इस तरह के आयोजनों की सरहाना की। कार्यशाला के दौरान रेडियो में रचनात्मक प्रस्तुति की बारीकियों को समझाते हुए मुख्य प्रशिक्षक संपूर्ण सिंह बागड़ी ने कहा कि निश्चित रूप से रचनात्मकता और प्रस्तुति शैली में गहरा सम्बन्ध है, लेकिन तथ्यपरकता के साथ समझौता नहीं किया जा सकता। इस दौरान विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि आज की युवा पीढ़ी में अपार प्रतिभा हैं जिन्हें सिर्फ सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को वॉइस मॉड्यूलेशन, रेडियो के लिए कार्यक्रमों की अलग अलग विधाओं के बारे में गहनता से समझाया। कार्यशाला के अंत में विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. तरुण नरूला ने धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए कहा कि विभाग समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए इस तरह के आयोजन करता रहता है ताकि बच्चों को मीडिया से संबंधित हर क्षेत्र का ज्ञान मिले।

**NEWS CLIPPING:13.07.2022**

# AAJ SAMAJ

## पौधरोपण से प्रकृति का पुनरुत्थान संभव: जगदीश

**फरीदाबाद।** प्रकृति ने हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए सब कुछ दिया है और अब समय आ गया है कि हम इसे हरा-भरा बनाये और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे अच्छा तरीका पौधारोपण है। पौधारोपण ही प्रकृति को पुनरुत्थान का एकमात्र संभव उपाय है। यह बात शिक्षाविद् और पर्यावरणविद् डॉ. जगदीश चौधरी ने कही। बालाजी पब्लिकेशन के निदेशक डॉ. जगदीश चौधरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पौधरोपण अभियान में मुख्य अतिथि थे। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई माह को हरियाली पर्व के रूप में मनाया जा रहा है और इस अवसर को चिह्नित करते हुए वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को वृक्षारोपण अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय आगमन पर कुलपति प्रो एसके तोमर ने डॉ चौधरी को एक पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर डीन (कॉलेज) प्रो. तिलक राज, एनएसएस समन्वयक प्रो प्रदीप डिमारी, और डीएसडब्ल्यू कार्यालय एवं वसुंधरा ईसीओ क्लब के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। डॉ चौधरी ने विश्वविद्यालय के मुख्य मैदान पर एक पौधा भी लगाया। फरीदाबाद में आम और मेहंदी के पारंपरिक पौधों जोकि अतीत में इस स्थान पर बड़ी संख्या में उगाए जाते थे, का उदाहरण देते हुए डॉ चौधरी ने कहा कि फरीदाबाद की भूमि सबसे प्राचीन अरावली पर्वत और यमुना नदी के मैदानों के बीच स्थित है और अपनी उर्वरता के लिए जानी जाती रही है। लेकिन अब मिट्टी और भूजल में क्षरण के कारण इन पौधों को उगाना मुश्किल हो गया है। जगदीश चौधरी, जो विश्व जल परिषद के सदस्य और ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (गिफ्ट), फरीदाबाद के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि फरीदाबाद भूजल के अत्यधिक दोहन के लिए डार्क जोन में आता है, और सबसे प्रदूषित शहर में से एक है। यह शहर देश में लगभग 35 लाख आबादी की जरूरत को पूरा करता है। अगर ये 35 लाख लोग एक पेड़ लगाने का संकल्प लें तो यह स्थिति काफी हद तक बदल सकती है।